DIVINE BLESSINGS

"...मैं समय पर वर्षा कराऊँगा; वह आशीर्वाद की वर्षा होगी।" (एजेकिएल 34:26)

November 2014 **Issue No. 15**

मृत विश्वासियों का स्मरण दिवस

2 नवम्बर को पवित्र माता कलीसिया सभी मृत विश्वासियों का स्मरण दिवस मनाती है। "मनुष्य श्वास मात्र है..." (स्तोत्र 62:10) "मनुष्य के दिन घास की तरह हैं। वह खेत की फूल की तरह खिलता है। हवा का झोंका लगते ही वह चला जाता है और फिर कभी नहीं दिखाई देता।" (स्तोत्र 103:15,16) "जिस तरह फसल के समय पूले बखार में रखे जाते हैं, उसी तरह तुम्हें अच्छी पकी उम्र में कब्र में दफनाया जायेगा।" (अय्युब 5:26) नबी योशुआ हमें कहते हैं, "मैं अब उस रास्ता से जाने वाला हूँ, जिससे सबों को जाना है।" (योशुआ 23:14) संत पौलुस हमें याद दिलाते हैं कि उन्हें प्रतिदिन मृत्यु का सामना करना है। (1कुरिन्थियों 15:31) मृत्यु एक ऐसा सत्य है जिसका हमें सामना करना है और जिसे हम कभी टाल नहीं सकते। लेकिन वह घड़ी कब है? हमें किसी को भी मालूम नहीं। इसलिए प्रभु कहते हैं, "तुम तैयार रहो, क्योंकि जिस घड़ी तुम उसके आने की नहीं सोचते, उसी घड़ी मानव पुत्र आयेगा।" (लूकस 12:40)

हम से पहले अनेक लोग विशेषकर हमारे पूर्वजों ने मृत्यु द्वारा इस दुनिया को छोड़ कर चले गये। वे लोग अपने छोटे-मोटे पापों के कारण आज शोधाकग्नि में पड़े हुए हैं। क्योंकि "स्वर्ग में ना तो कोई अपवित्र वस्तु प्रवेश कर पायेगी और ना कोई ऐसा व्यक्ति, जो घृणित काम करता या झूठ बोलता है।" (प्रकाशना ग्रन्थ 21:27) हर एक आत्मा जब अपने सारे पापों के लिए पूर्ण प्रायश्चित करता है, तब ही वह स्वर्ग राज्य में प्रवेश करने के लिए योग्य बनता है। संत अगस्तीन कहते हैं की मृत विश्वासियों के लिए हम जो प्रार्थना करते हैं, वह उन के लिए स्वर्ग खोलने की चाभी बन जाती है।

यहूदी राजा वीर यूदाह अपने मृतक सैनिकों के लिए प्रायश्चित के बलिदान का प्रबन्ध किया, जिससे मृतक अपने पाप से मुक्त हो जायें। इस दुनिया में रहते समय मृत विश्वासियों के लिए जो प्रार्थना किया जाता, विशेषकर मिस्सा बलिदान, उसके द्वारा उन्हें पाप मुक्ति मिलती है और स्वर्गराज की प्राप्ती होती है।

मृत विश्वासियों के लिए हमें क्या करना है ?

1. मृत विश्वासियों के लिए मिस्सा बलिदान चढ़ाना है और बलिदान में भाग लेना है:- यूदाह ने लगभग दो हजार रूपये का चन्दा एकत्र किया और उन्हें येरूसालेम भेज दिया, जिससे वहाँ पाप के प्रायश्चित के रूप में बलि चढ़ायी जाये। (2 मक्काबियों 12:43)

2.माला विनती करना है :- माँ मरियम की मध्यस्थता द्वारा आत्माओं की मुक्ति मिलती है।

3.क्रूस का रास्ता और करूणा रोजरी करना है।

4.मृत विश्वासियों के लिए क्रूस उठाकर, दर्द सहते हुए प्रार्थना करना है। हमारे निष्कलंक जीवन के दर्द द्वारा प्रभु अनेकों को बचायेगा।

5.दान देना है:-हम अपने आय के अनुसार दूसरों को दान देना है। हमारे ये भले काम आत्माओं को दिलासा देता है।

मृत विश्वासियों की आत्माएँ ईश्वर की दया से शांति में निवास करे, परमपिता, हमारे प्रभु ईसा मसीह के पावन रक्त की योग्यता द्वारा मृत विश्वासियों पर दया करें। आमेन।

प्रार्थना के साथ प्यार से,
फा.वर्गीस पारायिल VC

विषयसूची

प्रवेशिका
सम्पादकीय
साक्ष्य
डिवाइन समाचार
आगामी कार्यक्रम

संचालक
फा. बोबी

मैनेजर
फा.वर्गीस पारायिल

सम्पादक
फा. बिरेन्द्र कुजूर

सहायक सम्पादक
वेरोनिका अंटोनी

"यह इसलिए हुआ कि हम अपने पर नहीं, बल्कि ईश्वर पर भरोसा रखें, जो मृतकों को पुनर्जीवित करता है।" (2 कुरिन्थियों 1:9)

सम्पादकीय

प्रभु ही हमारा एक मात्र सहारा है।

फा. बिरेन्द्र कुजूर

हर मनुष्य अपने जीवनयापन के लिए एक मजबूत सहारा ढूढ़ता है जो सदा उसका साथ दे। कुछ लोगों के लिए पैसा, जमीन इत्यादि ही सबकुछ है। सन्त योहन के सुसमाचार अध्याय 5:1-18 तक एक रोगी का विवरण दिया गया है जो कई सालों से सहारा की ताक में पड़ा हुआ है। येरुसालेम शहर के उत्तर-पश्चिमी कोने में भेड़ फाटक के पास एक कुण्ड है, जो इब्रानी भाषा में 'बेथेस्दा' कहलाता है। इस तालाब या कुण्ड की विशेषता यह था कि उसके लहराने से लोगों को रोग मुक्ति मिलती थी। लोगों का यह विश्वास था की कभी-कभी प्रभु का दूत स्वर्ग से उतर कर कुण्ड के पानी को हिलाता था, उसके बाद जो व्यक्ति सबसे पहले इस कुण्ड में उतरता था, पानी के स्पर्श से रोगी चंगाई प्राप्त करते थे। इस कुण्ड का नाम है, बेथेस्दा। बेथेस्दा का अर्थ है 'कृपा का घर'। इस कुण्ड में कई रोगी- अन्धे, लँगड़े, और अर्द्धागरोगी शरण लेते थे। ये सब इसी इन्तजार में थे कि कब कुण्ड का पानी लहराये और वे चंगे हो जाये।

चंगा होने की आशा में एक रोगी, जो अड़तीस साल से बीमार था, इस कुण्ड के पास पड़ा हुआ था। जब ईसा ने उसे पड़ा हुआ देखा तो उनसे पूछा, 'क्या तुम अच्छा होना चाहते हो'। मनुष्य की दृष्टि में यह सवाल अर्थहीन हो, लेकिन प्रभु के लिए यह महत्वपूर्ण प्रश्न था। प्रभु उसके मन की इच्छा जानना चाहता था। वह अपनी बीमारी की हालत से इतना परिचित हो चुका था कि चंगाई के बारे में सोचा नहीं करता था। अड़तीस साल से बीमार की हालत पड़ा हुआ व्यक्ति पुनःस्वास्थ्य होने की आशा खो चुका था। प्रभु का प्रश्न उसके मन में आशा की किरणे उत्पन्न करती है। रोगी ने उत्तर में अपना दुख व्यक्त किया। "महोदया, मेरा कोई नहीं है, जो पानी के लहराते ही मुझे कुण्ड में उतार दे। मेरे पहुँचने से पहले ही उसमें कोई और उतर पड़ता है।" (योहन 5:7) रोगी अड़तीस सालों से एक व्यक्ति के सहारे का इन्तजार कर रहा था। और समय आने पर उसे ज्ञात हुआ कि वह सहारा - ईसा है। "प्रभु मेरा सहायक है, मेरा शरणस्थान, मेरा गढ़, मेरा मुक्तिदाता और मेरी ढाल है।" (स्तोत्र 155:2) हम प्रभु को अपना एकमात्र सहारा माने और उसकी प्रतीक्षा करे। जो प्रभु की प्रतीक्षा करता है, वह कभी निराश नहीं होगा। "जो तुझ पर भरोसा रखते हैं, वे कभी निराश नहीं होते। निराश वे होते हैं, जो अकारण तुझे त्यागते हैं।" (स्तोत्र 25:3) प्रभु का हाथ बचाने में समर्थ है। (इसा 59:1) ईश्वर के लिए कुछ भी असंभव नहीं है। (लूकस 1 :37) किसी व्यक्ति कि सहारा पाने की अपेक्षा प्रभु पर आस्था रखना लाभदायक है। हम प्रभु को अपना सहारा बनाए और उसकी ओर दृष्टि लगाये।

प्रभु को देखकर रोगी में प्रत्याशा जागृत होता है। प्रभु उन्हें आदेश देते हैं, 'अपनी चारपाई उठाओ और चलो'। प्रभु के वचन पर विश्वास करते हुए वह उठ खड़ा हुआ और अपनी चरपाई लेकर चलने लगा। हम अपने रोगों, कमजोरियों और दुर्बलताओं पर निराश न हो। हर प्रश्न, बीमारी, दुख, तकलीफ, संकट, झगड़े, अशांति, परेशानी का उत्तर है-प्रभु। यदि प्रभु हमारे साथ है तो हमारे पास सबकुछ है। प्रभु ही हमारे लिए सबसे बड़ा खाजाना है। जो इस खाजाने को खोज करता और जो इसे पाता है, वह अनंन्त सुख पायेगा। अड़तीस साल से पड़ा हुआ व्यक्ति अपने-आप को अकेला समझ रहा था। वह भूल गया था कि जिसका कोई नहीं है उसका सहारा प्रभु है। प्रभु को हम अपना मित्र, सहारा और ढाल बनाये। हमेशा प्रभु का हाथ थामे और अपना जीवन सफल बनाये।

साक्ष्य

Agantus Minj, Tongna Parish — नशे से पूर्ण छुटकारा

मेरा नाम अगन्तुस मिजं है, टोंगना पैरिश का रहने वाला हूँ। मैं पहले बहुत शराब पीता था। शराब के कारण मेरे परिवार में दरारें आ रहे थे। मैं बच्चों का ध्यान नहीं रख पा रहा था। मैं पूरी तरह शराब में डुबा हुआ था। लोगों ने मुझे काफी समझाया लेकिन मैं सुधर नहीं पाया। लोगों ने मुझे डिवाइन आश्रम में साधना में भाग लेने के लिए भेजा। मैं बिलकुल इसके विरुद्ध था। इसके बावजूद मैं साधना में भाग लिया और प्रभु के वचन को सुना। नशे के बारे में जब पुरोहितों ने बताया तब मेरी आँखे खुल गई। प्रभु के वचन को सुनकर मुझे पश्चाताप हुआ और मुझे अपनी गलती का एहसास हुआ। अब तक छह साल हो चुके हैं, मैंने अब तक शराब को छुआ तक नहीं। प्रभु ने मुझे नशे से छुटकारा दिलाया। प्रभु को धन्यवाद। "देखो प्रभु -ईश्वर सामर्थ्य के साथ आ रहा है। वह सब कुछ अपने अधीन कर लेगा। वह अपना पुरस्कार अपने साथ ला रहा है और उसका विजयोपहार भी उसके साथ है।" (इसायाह 40:10)

"उन्होंने हमारे पापों के लिए प्रायश्चित किया है और न केवल हमारे पापों के लिए, बल्कि समस्त संसार के पापों के लिए भी।" (1 योहन 2:2)

Issac Surin, Nilmony Parish **प्रभु ने आर्थिक मदद दिया**

मेरा नाम इसहाक सुरिन है, निलमोनी पैरिश का रहने वाला हूँ। 2014 January को मुझे कुछ कारणवश आर्थिक मदद की जरूरत थी। मुझे 50,000 रूपयों की जरूरत थी। लेकिन मुझे केवल 36,000 हजार रूपये ही मिले। मैं प्रभु से प्रार्थना कर रहा था, मुझे भरोसा था कि प्रभु मेरी जरूर मदद करेगा और ऐसा ही हुआ। फादर लूईस धान ने मुझे कुछ रूपये दिये, और इसके फलस्वरूप मेरे पास 50,000 रूपये हो गये। मैं विश्वास करता हूँ प्रभु अपने भक्तों को कभी भी निराश नहीं होने देता है। वह सदा उनकी देखभाल करता है और उनके जरुरतों को पूरा करता है। प्रभु की जय और महिमा हो। आमेन। "क्योंकि वह घायल करने के बाद पट्टी बाँधता है। उसके हाथ मारते भी हैं चंगा भी करते हैं।" (अय्यूब 5:18)

Phulkuwari Tigga , Dhuria Parish **गालब्लाडर की बीमारी से मुक्ति**

मेरा नाम फूलकूँवारी तिग्गा, धुरिया पैरिश की रहने वाली हूँ। सात सालों से मुझे पेट में अत्यधिक दर्द हो रहा था। चकैप करने पर पता चला मुझे गालब्लाडर की बीमारी है। डाक्टरों ने ऑपरेशन करने की सलाह दिए। मैं दुविधा में पड़ गई क्योंकि इसके लिए काफी पैसों की जरूरत थी। मैं दवाईयाँ लेती रही और प्रभु से निरन्तर प्रार्थना करती रही। मैं कई बार साधना में भाग ली और इन साधनाओं के दौरान मेरा पेट दर्द कम होता गया। अब मैं बिल्कुल ठीक हूँ। प्रभु ने मुझे गालब्लाडर जैसे बीमारी से चंगाई दिया। प्रभु के इस असीम कृपा और स्पर्श के लिए मैं निरन्तर धन्यवाद अर्पित करती रहूँगी। प्रभु की जय और महिमा हो। आमेन। "धन्य वह मनुष्य जिसका अन्तःकरण उसे दोषी नहीं ठहराता और जिसने आशा नहीं छोड़ी है।" (प्रवक्ता 14 :2)

Mainu Boraik, Duria Parish **हाथों के दर्द से छुटकारा**

मेरा नाम म्यानु बोराक, धुरिया पैरिश की रहनी वाली हूँ। बहुत सालों से मेरे हाथों में बहुत दर्द हो रहा था। मैंने कई बार साधना में भाग लिया। 2014 सितम्बर को जब मैं सामान्य आवासीय साधना में भाग ले रही थी तो मुझे बहुत आराम मिला। पहले मैं दो-तीन मिनट के लिए हाथ ऊपर उठाने में असमर्थ थी, लेकिन साधना के दौरान स्तुति और आराधना के समय मैंने कई बार हाथ उठाया और मुझे किसी भी प्रकार का दर्द महसुस नहीं हुआ। अब मैं बिलकुल ठीक हूँ। प्रभु ने मुझे हाथों के दर्द से छुटकारा दिया, इसके लिए मैं प्रभु को निरन्तर धन्यवाद अर्पित करुँगी। प्रभु की स्तुति और महिमा हो। आमेन। "जो प्रभु पर श्रद्धा रखते हैं, वह उनका मनोरथ पूरा करता है। वह उनकी पुकार सुन कर उनका उद्धार करता है।" (स्तोत्र 145:19)

Ambrose Tigga, Bimlapur **वचन की शाक्ति**

मेरा नाम अम्ब्रोस तिग्गा है, बिमलापूर पैरिश का निवासी हूँ। कुछ सालों पहले मैं नशे में डुबा हुआ रहता था। नशे के बिना मेरा जीवन और दिनचार्य मुश्किल हो रहा था। मेरे इस बुरी आदतों के कारण मेरे परिवार के सभी सदस्यों को कई बार लज्जित होना पड़ा और दुख सहना पड़ा। मैं कई बार नशे को छोड़ने के लिए कोशिश किया, लेकिन नाकाम रहा। 2010 को मैंने डिवाइन आश्रम में जाकर साधना में भाग लिया और प्रभु के वचन को सुना। वचन सुनकर मन और शरीर को आराम मिला। बाइबिल वचन को दोहराते-दोहराते मेरे मन में नशे को त्यागने कि इच्छा उत्पन्न हुआ, उस दिन से मैंने नशा लेना बंद कर दिया। प्रभु के लिए सब कुछ सम्भव है। प्रभु की महिमा हो। आमेन। "आप लोगों का निर्माण उस भवन के रूप में हुआ है, जो प्रेरितों तथा नबियों की नींव पर खड़ा है और जिसका कोने का पत्थर स्वयं ईसा मसीह हैं।" (एफेसियों 2:20)

Khaldsia Sobra, Kumhari parish **पेट और सिर दर्द से छुटकारा**

मेरा नाम खलदिसिया सोबरा है, कुम्हारी पैरिश का रहने वाला हूँ। पिछले एक साल से मेरे पेट और सिर में बहुत दर्द होता था। डॉक्टरों के सलाह के बिना ही मैं यूहीं दवाईयाँ लिया करती थी। इन दवाईयाँ का कुछ असर नहीं हुआ। मैंने साधनाओं में भाग लिया और साधना के समय पूरे हृदय से प्रभु की आराधना और स्तुति करती रही। अंतिम आराधना के वक्त अचानक मुझे महसुस हुआ कि कोई मुझे स्पर्श रहा है, मैंने विश्वास किया की वह और कोई व्यक्ति नहीं बल्कि प्रभु थे। प्रभु ने मुझ पापी को स्पर्श किया और अच्छा स्वस्थ्य लाभ प्रदान किया। प्रभु की निरन्तर जय और महिमा हो। आमेन। "मनुष्य का आत्माबल उसे बीमारी में सँभालता है, किन्तु कौन टुटे हुए मन को सान्त्वना देगा?"(सूक्ति18:14)

"जब मैं निराशा में डूबा जा रहा था, तो मैंने प्रभु को याद किया और मेरी प्रार्थना तेरे पवित्र मन्दिर में तेरे पास पहुँची।" (योना 2:8)

डिवाइन समाचार

सामान्य आवासीय साधना : **05-08** सितंबर को सामान्य आवासीय साधना चलाया गया जिसमें **120** लोगों ने भाग लिया और ईश्वरीय अनुग्रह प्राप्त किया। **26-29** अक्टूबर को सामान्य अँग्रेजी आवासीय साधना का आयोजन किया गया जिसमें **08** लोगों ने भक्तिपूर्वक भाग लिया।

अन्दरूनी चंगाई की साधनाः- **12-16** अक्टूबर को अन्दरूनी चंगाई की साधना का आयोजन किया गया जिसमें **420** लोगों नें भाग लिया। बहुतों को प्रभु ने स्पर्श किया और कई लोगों को प्रभु के दर्शन प्राप्त हुए।

Divine Out Reach Ministry :- अक्टूबर महीने को बिमलापुर, लकवा, जागुन, सोनारी, मोरान और राजानगर पैरिशों में रात्रि जागरण का आयोजन किया गया। इन रात्रि जागरण प्रार्थनाओं में कई लोगों ने भाग लिया और बहुतों को चंगाई, परिवार में शान्ति मिला रहा है। **21-26** अक्टूबर को दिल्ली में धर्मबहनों के लिए साधना का आयोजन किया गया जिसमें **140** धर्मबहनों ने भाग लिया। बहुतों को अपने बुलाहट जीवन में दृढ़ता और पूर्णता प्राप्त करने का अवसर मिला।

उरियमघाट सेवाएँ :- असम और नागालैण्ड के सीमा में जो लड़ाई-झगड़े हुए उसमें बहुत सारे खीस्त विश्वासी लोग बेघर और बेसहारा हो गये। **15-26** सितम्बर को उन्हें ढारस बधाँने और सान्त्वना देने के लिए डिवाइन आश्रम का एक दल फा. येसुदास की नेतृत्व में गये थे। वहाँ पर उन्होंने पाँच **refugee camp** में कुछ दिन बिताये और लोगों को आध्यात्मिक सलाह दिया गया। राजापोखरी और लसीतगाँव के बस्तियों में भी एक-एक दिन का प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया।

आगामी कार्यक्रम (नवंबर)

नशेबाजों के लिए साधना **(09-13** नवम्बर)

"अंगूरी पी कर मतवाले नहीं बनें, क्योंकि इससे विषय वासना उत्पन्न होती है, बल्कि पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जायें।**"** (एफेसियों **5:18**) मनुष्य का शरीर ईश्वर का मन्दिर और निवासस्थान है, इसलिए मनुष्यों को अपने शरीर में किसी चीज की गुलामी स्वीकार नहीं करना चाहिए। आज के इस युग में मनुष्य अपने शरीर में शराब, पान, गुटका और नशीले पदार्थों की गुलामी स्वीकार कर रहें हैं। केवल ईश्वर के सामर्थ्य और बल से इन चीजों से छुटकारा पा सकते हैं और पूर्ण स्वतन्त्रता प्राप्त कर सकते हैं। **"**पुत्र तुम्हें स्वतन्त्र बना देगा, तो तुम स्वतन्त्र होगे।**"** (**9** योहन **8 :36**) सभी वर्ग के लोगों को इस साधना में हार्दिक स्वागत है। (फीस **300**)

1.	रात्रि जागरण (मोरान)
	रात्रि जागरण (जागुन)
2-5.	सामान्य आवासीय साधना
6.	रात्रि जागरण (बिमलापूर)
7.	पवित्र ह्दय की साधना
	रात्रि जागरण (सोनारी)
	रात्रि जागरण (लकवा)
8.	रात्रि जागरण (राजानगर)
9-13.	नशे से छुटकारा के लिए साधना **(fees Rs 300/-)**
14-16.	बाइबिल अधिवेशन, सितारगन्ज **(U.P)**
16.	डिवाईन सत्संग
23-27.	पुरोहितों के लिए साधना, इंदोर **(M.P)**
28-30.	बाइबिल अधिवेशन, फरीदाबाद (हरीयाना)
30.	रात्रि जागरण

शोधाकग्नि की आत्माओं की मुक्ति के लिए प्रार्थना

हे शाश्वत पिता, मैं तुझे तेरे दिव्य पुत्र येसु के मुल्यवान रक्त को, संसार भर में आज चढ़ाए गए पवित्र मिस्सा के साथ, शोधाकग्नि की सभी आत्माओं, सारे जहान और सारे कलीसिया के पापियों, और मेरे घर-परिवार के सब पापियों के लिए चढ़ाता हूँ। आमेन ।

(प्रभु येसु ने संत गेट्रर्ड को यह प्रार्थना दी है। प्रभु येसु ने संत गेट्रर्ड से कहा की इस प्रार्थना को एक बार बोलने से **1000** आत्माएँ शोधाकग्नि से मुक्त की जा सकती है।)

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क कीजिए.....

Divine Renewal Retreat Centre
MARGHERITA

Dist. Tinsukia, Assam, PIN- 786181 Phone : (03751-213023, 9957340328
E-mail : frbobbyvc@gmail.com, divinemargherita@gmail.com